Rajnath Singh; Defence Minister Rajnath Singh Message To IIM Ranchi Students Over 9th Annual Convocation Ceremony

मैनेजमेंट के छात्रों को रक्षा मंत्री का संदेश: राजनाथ सिंह ने कहा- झारखंड के प्राकृतिक संसाधनों के साथ इसके स्वर्णिम इतिहास की भी चर्चा करें

रांची 20 घंटे पहले

राजनाथ सिंह ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया।

IIM रांची के दीक्षांत समारोह में 272 स्टूडेंट्स को उपाधि प्रदान की गई

IIM रांची का नौवां दीक्षांत समारोह सोमवार को आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह वर्चुअल माध्यम से जुड़े। उन्होंने कहा कि छात्र झारखंड की खनिज संपदा और प्राकृतिक संसाधनों के अलावा इसके स्वर्णिम इतिहास पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि IIM रांची के छात्रों को, झारखंड के लोगों को यहां की संस्कृति को समझना चाहिए और उनके विकास के लिए काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि चिकित्सा, विज्ञान, खगोल विज्ञान, तकनीक आदि में भारत ने पूरे विश्व को राह दिखाई है। भले ही इसका श्रेय पाश्चात्य देशों के वैज्ञानिक ले गए। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत में प्रबंधन और कौशल से जुड़ाव सदियों से रहा है। अपने कुशल प्रबंधन से शून्य से शिखर पर पहुंचने के भारत में कई मिसाल हैं।

मानव कल्याण के लिए अपनी कल्पना का सही इस्तेमाल करें

रक्षा मंत्री ने छात्र-छात्राओं को मानव कल्याण के लिए अपनी कल्पना शक्ति का उपयोग तकनीक के विकास में करने का भी पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में तकनीक ही एक-दूसरे को जुड़े रहने में मदद कर रही है। युवाओं के लिए यह सबसे बड़ी प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि भारत की गौरवशाली अतीत और समृद्ध परंपरा इसमें मदद कर सकती है। युवा अपनी धरोहर को समझें और आगे बढ़ें। कहा, युवा इनोवेशन और नए आइडिया से चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता रखते हैं।

माता-पिता से बड़ा कोई मैनेजर नहीं

राजनाथ सिंह ने युवाओं को अपने माता-पिता को नहीं भूलने की सीख भी देते हुए कहा कि माता-पिता से बड़ा कोई मैनेजर नहीं होता। वे सर्वश्रेष्ठ प्रबंधक होते हैं जो बिना किसी डिग्री के अपने परिवार का बेहतर प्रबंधन करते हैं।

272 विद्यार्थियों को मिली उपाधि

IIM रांची के दीक्षांत समारोह में 272 स्टूडेंट्स को उपाधि प्रदान की गई। इनमें तीन विभागों से टॉप 5 स्टूडेंट्स को यानी सभी 15 स्टूडेंट्स को उत्कृष्ट प्रदर्शन का मेडल प्रदान किया गया। साथ ही 272 विद्यार्थियों के बीच डिग्री और डिप्लोमा प्रदान किया गया। .